B.A. Part I
Paper IInd

21.8.20

कपट संधिपूर्ण अल्पाधिकार (Collusive oligopoly)

कपटसंधिपूर्ण अल्पाधिकार एक ऐसी स्थिति है जिसमें एक विशेष उद्योग में फर्में अपने संयुक्त लाभों को अधिकतम करने और आपस में मार्किट को बांटने के उद्देश्य से एक इकाई बनने के लिए मिलने का निर्णय करती हैं। पहले को संयुक्त लाभ अधिकतमकरण कार्टेल और दूसरे को मार्किट बांट कार्टेल कहते हैं। एक अन्य प्रकार की कपटसंधि नेतृत्व कहलाती है जो गुप्त समझौतों पर आधारित होती है। इसके अन्तर्गत, एक फर्म कीमत नेता का काम करती है और वस्तु के लिए कीमत निश्चित करती है जबकि अन्य फर्में उसका अनुसरण करती हैं। कीमत-नेतृत्व तीन प्रकार का होता है: निम्न लागत फर्म, प्रधान लागत फर्म और बैरोमीट्रिक फर्म।

कार्टेल (Cartels)

एक उद्योग में स्वतंत्र फर्मों के संगठन को कार्टेल कहते हैं। कार्टेल कीमतों, उत्पादनों, बिक्रियों वस्तुओं के वितरण और लाभ अधिकतमकरण संबंधी समान नीतियों का अनुसरण करता है। कार्टेल एच्छिक या अनिवार्य और खुले या गुप्त हो सकते हैं जो इस बात पर निर्भर करते हैं कि उनके बनाने के संबंध में सरकार की क्या नीति है। इस प्रकार, कार्टेल कई प्रकार के होते हैं और प्रत्येक के प्रकार पर निर्भर करते हुए, वे भिन्न समान नीतियों का अनुसरण करने के लिए अनेक ढंग अपनाते हैं। हम यहाँ सबसे समान प्रकार के दो कार्टेल की विवेचना करते हैं—(1) संयुक्त लाभ अधिकतमकरण अथवा पूर्ण कार्टेल; और (2) मार्किट बांट कार्टेल।

(1) संयुक्त लाभ अधिकतमकरण कार्टेल (Joint Profit Maximum Cartel)

एक अल्पाधिकारात्मक मार्किट में अनिश्चितता पाए जाने के कारण प्रतिद्वंद्वी फर्मों को एक पूर्ण कार्टेल बनाने की प्रेरणा मिलती है। पूर्ण कपटसंधि का अत्यंत रूप पूर्ण कार्टेल है। इसमें समरूप वस्तु बनाने वाली फर्में उद्योग में एक केन्द्रीय कार्टेल बोर्ड की स्थापना करती हैं। व्यक्तिगत फर्में अपने कीमत-उत्पादन निर्णय इस केन्द्रीय बोर्ड को सौंप देती हैं। बोर्ड अपने सदस्यों के लिए उत्पादन कोटा, ली जाने वाली कीमत और उद्योग के लाभों का वितरण निर्धारित

Scanned by CamScanner

करता है। क्योंकि केन्द्रीय बोर्ड कीमतें, उत्पादन, विक्रय और लाभ वितरण निर्धारित करता है; इसलिए यह एक एकाधिकारी की तरह कार्य करता है। जिसका मुख्य उद्देश्य ~~अल्पाधि~~ अल्पाधिकारात्मक उद्योग के संयुक्त लाभों को अधिकतम करना होता है।

* इसकी मान्यताएँ (Its Assumption)

संयुक्त लाभ अधिकतमकरण कार्टेल का विश्लेषण निम्न मान्यताओं पर आधारित है:

(i) केवल 2 फर्में A और B एकाधिकारात्मक उद्योग मे हैं जो कार्टेल बनाती हैं।

(ii) प्रत्येक फर्म समरूप वस्तु बनाती है जो एक दूसरे के पूर्ण स्थानापन्न हैं।

(iii) क्रेताओं की संख्या बहुत हैं।

(iv) वस्तु का मार्किट मांग वक्र दिया हुआ है ~~जो~~ और इसकी कार्टेल को जानकारी है।

(v) फर्मों के लागत वक्र भिन्न हैं, परन्तु कार्टेल को इसका ज्ञान है।

(vi) वस्तु की कीमत कार्टेल की नीति निर्धारित करती है।

(vii) कार्टेल का उद्देश्य संयुक्त लाभ अधिकतमकरण है।

(2) मार्किट बांट कार्टेल (Market Sharing Cartel)

अल्पाधिकारात्मक मार्किट में एक और प्रकार की पूर्ण कपटसंधि व्यवहार में पाई जाती है जिसका संबंध एक कार्टेल की सदस्य फर्मों द्वारा मार्किट बांट से है। एक कार्टेल बनाने हेतु फर्में मार्किट बांट समझौते करती हैं; परन्तु अपने उत्पादन के स्टाइल, विक्रय क्रियाओं और अन्य निर्णयों से संबंधित स्वतंत्रता की काफी मात्रा अपने पास रखती है। मार्किट बांट के मुख्य ढंग दो हैं: (i) गैर-कीमत प्रतियोगिता और ~~एक~~ (ii) कोटा प्रणाली

* इसकी मान्यताएँ (Its Assumptions)

यह विश्लेषण निम्न मान्यताओं पर आधारित है:

(i) केवल दो फर्में हैं जो कोटा प्रणाली के आधार पर मार्किट बांट समझौता करती हैं।

(ii) प्रत्येक फर्म एक समरूप वस्तु का उत्पादन और विक्रय करती है जो

Scanned by CamScanner

एक दूसरे की पूर्ण ~~बथा~~ स्थानापन्न हैं।

(iii) क्रेताओं की संख्या बहुत बड़ी है।

(iv) वस्तु का मार्किट मांग वक्र दिया हुआ है उसकी कार्टेल को जानकारी है।

(v) प्रत्येक फर्म का अपना मांग वक्र है जिसकी लोच मार्किट मांग वक्र की लोच के बराबर है।

(vi) दोनों फर्मों के लागत वक्र समान हैं।

(vii) दोनों फर्में मार्किट की बराबर की बांट करती हैं।

(viii) प्रत्येक फर्म सहमत एक समान कीमत पर वस्तु बेचती है।

(ix) नई फर्मों के प्रवेश का कोई भय नहीं है।

Scanned by CamScanner